Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2018 = 6.371, www.srjis.com
PEER REVIEWED JOURNAL, JULY-AUG, 2018, VOL- 6/46

'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के प्रति दृष्टिकोण'
(कासगंज जिला के योजना लाभान्वितों के सन्दर्भ में एक अध्ययन)

मनोज कुमार

(शोध–अध्येता), समाजशास्त्र, के0 ए0 कॉलेज, कासगंज,

(सम्बद्ध : डॉ0 भीमराव अम्बेडकर वि0वि0, आगरा)

Abstract

किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए कौशल और ज्ञान; दो प्रेरक शक्तियाँ हैं। वर्तमान वैश्विक माहौल में उभरती अर्थव्यवस्थाओं की चुनौती से निपटने तथा युवा सशक्तिकरण को नई दिशा देने के लिए भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मेक इन इण्डिया' सोच के साथ 16 जुलाई 2015 को राष्ट्रीय स्तर पर 'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना' (PMKVY) को लाँच किया। योजना का मौलिक उद्देश्य युवाओं के लिए कौशल विकास को एक सार्थक; उद्योग सम्बन्धी कौशल आधारित पूर्णतः निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना है जिसका 12000 रू0 प्रति लाभार्थी खर्च भी शासन वहन करता है जिसके लिए उम्मीदवार को अपनी रूचि का प्रशिक्षण लेने के लिए प्रशिक्षणार्थी को अपने क्षेत्र के चयनित प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षण तथा मूल्याँकन शुल्क का भुगतान करना होता है, और नामाँकन हेतु आवेदन करते समय उम्मीदवार को अपना 'आधार कार्ड' तथा 'बैंक खाता' जमा करना होता है। कौशल प्रशिक्षण (जिसकी अवधि 3 माह से 1 वर्ष अधिकतम होती है) पूरा होने पर युवा प्रशिक्षणार्थी को ''नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉरपोरेशन'' (NSDC) जो एक गैर लाभ कम्पनी है, द्वारा नियुक्त ''मूल्याँकन एजेन्सी ''सेक्टर स्किल काउन्सिल'' (SSC) की जाँच–प्रक्रिया द्वारा सफल मूल्याँकित किए जाने पर शासन की ओर से एक 'प्रमाण–पत्र' दिया जाता है जो उन्हें रोजगार पाने और अपना भविष्य उज्जवल बनाने में सहायक होता है। कौशल प्रशिक्षण के प्रति उम्मीदवार को शासन द्वारा औसतन 8000 रू0 'मौद्रिक पुरस्कार' प्रोत्साहन बतौर भी प्रदान किया जाता है। उल्लेखनीय शर्त यह है कि योजनान्तर्गत विशेषकर ऐसे युवाओं, जो कक्षा 10 व 12 के दौरान स्कूल छोड़ दिया हो; ऐसे छात्रों पर ध्यान केन्द्रित कर वरीयताएं देनी होंगी। प्रशिक्षण में अन्य पहलुओं के साथ 'व्यवहार कुशलता' तथा 'व्यवहार में रचनात्मक परिवर्तन' भी शामिल हैं। 'कौशल व उद्यम विकास' वर्तमान सरकार की उद्यम विकास मंत्रालय की 'मेक इन इण्डिया' अभियान के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसे एक मिशन के तौर पर क्रियान्वित किया जा रहा है। इस योजना की वेबसाइट (www.pmkvy official.org) है जिस पर योजना की सम्पूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध हैं।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

भारतीय सन्दर्भ में शिक्षित बेरोजगारी आज चरम पर है शिक्षित युवाओं में से हर दूसरा युवा बेरोजगार है जिसे योग्यता के अनुरूप नौकरी/रोजगार नहीं मिल रहा है। शिक्षाविदों का कहना है कि हमारी शिक्षा की वर्तमान उदारीकरण–नीति के चलते कोरे प्रमाण पत्रों के आधार पर रोजगार कभी सुलभ नहीं होंगे। प्रख्यात समाजवैज्ञानिक 'रूद्दत हुसैन'[1] (अब नौकरी नहीं, काम ढूँढ़ना होगा; **'हस्तक्षेप डैस्क', जे0एन0यू0 दिल्ली 30 सितम्बर 2000, पृ0–6**) के अनुसार वर्तमान भारत में शिक्षित बेरोजगारी अब इस कदर बढ़ चुकी है कि शिक्षित युवाओं को अब नौकरी नहीं, हुनर के अनुरूप अब काम ढूँढ़ने होंगे। वर्तमान में **'शिक्षित बेरोजगारी'** एक ऐसी गम्भीर सामाजिक समस्या है जिसकी अनुभूति के पश्चात् भी जो किया जाना चाहिए; वह नहीं किया जा रहा है; और यह भी कि भारत में 'रोजगार पाना' मौलिक अधिकार नहीं; बल्कि उसकी निजी समस्या मानी जाती है। जो सामान्य बेरोजगारी का मूल कारण है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अतः दोनों प्रकार की बेरोजगारी की समस्या से निजात पाने के लिए 'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना' जो कि ''परिणाम–आधारित'' (Output Based) एक निःशुल्क कौशल वृद्धि की प्रशिक्षण योजना है; जो राष्ट्रीय स्तर पर क्रियान्वित की जा रही है जिसका लक्ष्य बेरोजगार युवाओं को उनकी दिलचस्पी (रूचि) के अनुरूप कार्यों का पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण, भारत सरकार द्वारा एक नव सृजित मंत्रालय 'कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय' (MSDE) के अधीन एक मिशन रूप में दूरगामी सोच के साथ दिये जा रहे हैं; ताकि योजनान्तर्गत उन्हें विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों के अन्तर्गत रोजगार सृजन या काम ढूँढ़ने में सहायता मिल सके। शोधार्थी ने योजना की वस्तुस्थिति का मूल्याँकन करने हेतु ''प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना'' के प्रति योजनान्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त व्यवसाय/रोजगार सृजक लाभान्वितों के दृष्टिकोण जानने का प्रयास किया है। सरकारी दावों तथा 'उद्यमिता विकास मंत्रालय' के अनुसार युवाओं के लिए 'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना' नौकरी के अतिरिक्त 'स्वरोजगार' का एक उम्दा विकल्प है ''क्योंकि प्रशिक्षण का लाभ मिलने से युवा वर्ग की सोच बदली है; साम्प्रत अब वह सामान्य नौकरी की अपेक्षा; अपने खुद के व्यवसाय सृजित करने पर जोर दे रहे हैं [दृष्टब्य : **'सरकारी दुनियाँ**[2] उत्तर प्रदेश शासन (लखनऊ) परिपत्र, 16 जुलाई 2015] तथा **प्रा0 अर्चना दत्ता**[3] (Press Information Bureau Govt. of India, 30 Dec. 2017) के अनुसार यह 'योजना' युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक नई पहल है।

- **<u>प्राक्कल्पनाएं/शोध–प्रश्न</u>** :

प्रस्तावित शोध हेतु निम्न शोध–प्राक्कल्पनाएं निर्मित की गयी हैं :

(1) युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण 'स्वरोजगार' का एक बेहतर विकल्प है।

(2) 'कौशल विकास मिशन' युवाओं को स्वरोजगारों की उम्मीद बनकर सफलता की राह दिखा रहा है।

(3) प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत शहरी तथा ग्रामीण परिवेश के, सभी जाति वर्गों, लिंग एवं आर्थिक स्तरों के युवाओं को निःशुल्क 'कौशल–प्रशिक्षण' के समान अवसर सुलभ हो रहे हैं।

(4) प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत कौशल प्रशिक्षित युवाओं की सोच; स्वरोजगारों की ओर प्रेरित, उन्मेषित तथा अभिमुखीकृत है।

(5) योजनान्तर्गत निःशुल्क दिए जा रहे रूचि के कौशल प्रशिक्षणों से; युवाओं का हुनर निखर रहा ह।

(6) प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत कौशल प्रशिक्षित युवा वर्ग; अब सामान्य नौकरी की अपेक्षा स्वरोजगार सृजित कर रहे हैं।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रस्तुत शोध–पत्र का **'मौलिक उद्देश्य'** जहाँ 'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के प्रति प्रशिक्षित युवाओं के दृष्टिकोणों का अध्ययन' करना है; वहीं तार्किक तथा तथ्यात्मक (Logical & Factual) निष्कर्षों की स्थापना हेतु प्रस्तावित **'सहायक उद्देश्य'** निम्नवत् हैं :

(1) निदर्शितों की वैयक्तिक तथा सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि की जानकारी करना।

(2) निदर्श लाभान्वितों द्वारा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने हेत् प्रदत्त वरीयताओं का अध्ययन करना।

(3) कौशल विकास प्रशिक्षणोपरान्त; स्वरोजगारों की स्थापनाओं के प्रति युवाओं के दृष्टिकोणों का अध्ययन करना।

(4) शोध–प्राक्कल्पनाओं की प्रासंगिकता परखने के पश्चात 'निष्कर्ष' स्थापित करना।

- **पद्धतिशास्त्र (क्षेत्र, निदर्श चयन, पद्धतियाँ एवं प्रविधियाँ)** :

अध्ययन समग्र (क्षेत्र) रूप में उ0प्र0 प्रान्त के अलीगढ़ मण्डल के चार जिलों (अलीगढ़, कासगंज, कासगंज तथा हाथरस) में से जिला कासगंज के प्रधान मंत्री कौशल विकास केन्द्र 'औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान' (आई0टी0आई0) कासगंज से 1 जुलाई 2017 से 30 जून 2018 तक की अवधि में विभिन्न ट्रेड्स में लाभान्वित हुए कुल 137 कौशल प्रशिक्षणार्थियों में से 33% निदर्शन के आधार पर 45.21 अर्थात् पूर्णांश 45 योजना–लाभार्थियों का चयन ''संयोग निदर्शन लॉटरी विधि'' से इसलिए किया गया ताकि निष्पक्ष चयन सम्भव हो सके। प्राथमिक तथ्यों का संकलन ''साक्षात्कार–अनुसूची'' द्वारा प्रत्यक्ष स्थिति में ''व्यक्तिगत साक्षात्कार'' एवं अवलोकन करते हुए तथा योजना के प्रति लाभार्थियों के दृष्टिकोणों का मूल्याँकन 'थर्सटन' मनोवृत्ति मापक द्वारा कर; ''साँख्यकीय विधि'' से गणनाएं तथा विश्लेषण करते हुए अनुभवाश्रित निष्कर्ष स्थापित किए गए हैं। सम्बन्धित तालिकाएं तथा तत्सम्बन्धित निर्वचन अग्राँकित हैं :

तालिका नं0 (1) : निदर्शितों की वैयक्तिक तथा समाजार्थिक पृष्ठभूमि

क्र0	सम्बन्धित चर / परिवर्त्य	आवृत्तियाँ / प्रतिशत				समस्त
1	धर्मवृत्तिका	हिन्दू 35(77.78)	इस्लाम 8(17.78)	अन्य 2(04.44)	––	समस्त 45(100.00)
2	जाति	सवर्ण 16(35.56)	पिछड़ी 21(46.67)	अनुसूचित 07(15.56)	अनु.ज.जा. 01(02.21)	समस्त 45(100.00)
3	लिंग	बालक 24(53.33)	बालिका 21(46.67)	––	––	समस्त 45(100.00)
4	परिवेश	ग्रामीण 13(28.89)	नगरीय 19(42.22)	ग्रामीण नगरोय 13(28.89)	––	समस्त 45(100.00)
5	शिक्षा स्तर	10 पास 12(26.67)	10^{th} पास 20(44.44)	12^{th} पास 8(17.78)	12^{th} से ऊपर स्कूल छोड़ने वाले 5(11.11)	समस्त 45(100.00)
6	कौशल प्रशिक्षण	** 10(22.22)	कम्प्यूटर 22(48.89)	प्लम्बिंग 3(06.67)	अन्य (*) 10(22.22)	समस्त 45(100.00)
7	सामाजिक–आर्थिक स्तर	निम्न 9(20.00)	निम्न मध्यम 16(35.56)	मध्यम 13(28.88)	मध्यम उच्च 7(15.56)	समस्त 45(100.00)

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

*संकेतः * बिजली फिटिंग, मोटर बाइण्डिंग, टर्निंग, खाद्य प्रसंस्करण आदि*

*** सिलाई, ब्यूटीशियन, पेण्टिंग*

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण क प्रकाश में सुस्पष्ट है कि प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत सभी जाति, धर्म, लिंग, परिवेश तथा सामाजिक–आर्थिक स्तरों के युवाओं ने विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं। कौशल प्रशिक्षणों में 22.22% युवा वर्ग सिलाई (टेलरिंग), ब्यूटीशियन तथा पेटिंग, 48.89% कम्प्यूटर प्रशिक्षण, 6.67% प्लम्बिंग तथा 22.22% युवा वर्ग ने बिजली फिटिंग, विद्युत मोटर बाइण्डिंग, टर्निंग, खाद्य प्रसंस्करण सम्बन्धी कार्यों में प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं। निम्न तालिका नं0 (2) अध्ययन किए गए सभी 45 निदर्श लाभान्वितों द्वारा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने में प्रदत्त वरीयताओं तथा कोटिक्रमों पर संक्षिप्त प्रकाश डालती है–

तालिका नं0 (2) : कौशल प्रशिक्षण हेतु युवा वर्ग द्वारा प्रदत्त वरीयताएं

क्र0	कौशल प्रशिक्षण	कौशल प्रशिक्षण हेतु प्रदत्त वरीयताएं तथा आवृत्तियाँ/प्रतिशत									समस्त (प्रतिशत)	कोटिक्रम
		पहली	दूसरी	तीसरी	चौथी	पाँचवीं	छठी	सातवीं	आठवीं	नवीं		
1	सिलाई (टेलरिंग)	2	1	–	3	1	–	1	–	–	8(17.78)	2.5
2	ब्यूटीशियन(पार्लर)	3	3	–	–	–	1	–	1	–	8(17.78)	2.5
3	पेण्टिंग	1	–	–	–	–	–	–	–	–	1(02.22)	8
4	कम्प्यूटर	6	2	2	–	2	1	1	1	1	16(35.55)	1
5	प्लम्बिंग	–	–	–	1	–	–	–	–	–	1(02.22)	8
6	बिजली फिटिंग	2	1	2	–	–	–	–	–	–	5(11.12)	4
7	मोटर बाइंडिंग	1	1	–	1	–	–	–	–	–	3(06.67)	5
8	टर्निंग	–	–	1	–	–	–	–	–	–	1(02.22)	8
9	खाद्य प्रसंस्करण	–	–	1	–	–	1	–	–	–	2(04.44)	6
	समस्त	15 (33.33)	8 (17.78)	6 (13.33)	5 (11. 12)	3 (06.67)	3 (06. 67)	2 (04.44)	2 (04.44)	1 (02.22)	45(100.33)	–

प्रसंगाधीन तालिका से स्पष्ट है कि प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत युवा वर्ग ने कौशल प्रशिक्षण हेतु कम्प्यूटर ट्रेनिंग को 35.50% युवाओं ने प्रथम वरीयता, टेलरिंग व ब्यूटी पार्लर को समान रूप से 17.78% युवाओं ने द्वितीय व तृतीय वरीयताएं, बिजली फिटिंग को 11.12% युवा वर्ग ने चतुर्थ वरीयता, 6.67% युवा वर्ग ने मोटर बाइंडिंग को पंचम वरीयता, 4.44% युवा वर्ग ने खाद्य प्रसंस्करण को छठी वरीयता, पेण्टिंग, प्लम्बिंग व टर्निंग तीनों को समान रूप से आठवीं वरीयताएं दी गई ह। **सुस्पष्ट है कि प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत युवा लड़के लड़कियों की सर्वाधिक लोकप्रिय (पहली पसन्द) 'कम्प्यूटर प्रशिक्षण' तथा लड़कियों की दृष्टि में 'ब्यूटी पार्लर' व टेलरिंग के कौशल प्रशिक्षण स्वरोजगारों हेतु बेहतर विकल्प हैं; जो उन्हें शासन द्वारा उनकी पसन्द तथा रूचि के अनुरूप निःशुल्क प्रदान किए गए हैं।** शोध–अध्येता ने अध्ययनार्थ चयनित सभी 45 युवा लाभार्थियों से पृथकतः पूरक प्रश्न करते हुए पूछा कि ''क्या आपको अपनी रूचि का 'कौशल प्रशिक्षण' लेने से व्यवसाय/रोजगार सृजन सम्बन्धी कोई लाभ मिला है?'' पाप्त प्रत्युत्तरों पर निम्न तालिका नं0 (3) संक्षिप्त प्रकाश डालती है :

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका नं0 (3) : प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत ''कौशल प्रशिक्षण'' लेने के पश्चात् युवा वर्ग को लाभ

क्र0	प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत युवा लाभान्वितों के हुए लाभ के प्रति प्रत्युत्तर	कुल संख्या	प्रतिशत
1	कौशल प्रशिक्षण लेने से नौकरी मिल गयी है:–	–	
	(क) सरकारी क्षेत्रान्तर्गत	02	04.44 } 20.00
	(ख) निजी क्षेत्रान्तर्गत	07	15.56 }
3	'स्वरोजगार' (व्यवसाय) स्थापित कर लिए हैं	31	68.89 }
4	स्वरोजगार स्थापित करने हेतु प्रयासरत हैं	05	11.11
समस्त		45	100.00

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण के प्रकाश में स्पष्ट है कि प्रधान मंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत ''कौशल प्रशिक्षण'' प्राप्त कर लेने के पश्चात् परीक्षणोपरान्त ''उद्यमिता प्रमाण–पत्र'' प्राप्त कर लेने वाले कुल 45 युवा लाभान्वितों में से : 9(20%) युवाओं को नौकरी [2(4.44%) युवाओं को सरकारी तथा 7(15.5%) को निजी (प्राइवेट) क्षेत्रान्तर्गत] मिल गयी है; 31(68.89%) सर्वाधिक युवा वर्ग के लाभान्वितों ने अपने स्वयं के 'रोजगार' (व्यवसाय) स्थापित कर लिए हैं, वहीं मात्र 5 युवा लाभान्वित 'स्वरोजगार' स्थापित करने हेतु अभी प्रयासरत हैं। **इन प्राप्त आनुभविक तथ्यों के प्रकाश में सुस्पष्ट है कि बेरोजगार युवाओं के लिए 'कौशल प्रशिक्षण' स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है।** [साम्प्रत हमारी पस्तावित प्राक्कल्पनाएं नं0 (1), (2) तथा (6) सत्य एवं प्रासंगिक सिद्ध होती हैं] इसके पश्चात् शोधार्थी ने विभिन्न प्रकार के शोध–प्रश्न करते हुए तथ्यात्मक समान्यीकरण करने का प्रयास किया है, जिस पर निम्न तालिका नं0 (4) संक्षिप्त प्रकाश डालती है :

तालिका नं0 (4) : विभिन्न शोध प्रश्नों के प्रति निदर्शितों के अभिमत/दृष्टिकोण

क्र0	शोध/कुंजी प्रश्न (Key Questions)	निदर्शितों के अभिमत (आवृत्तियाँ/प्रतिशत)				समस्त (प्रतिशत)
		हाँ	नहीं	उदासीन	अनुत्तरित	
1	क्या युवाओं के लिए 'कौशल विकास' प्रशिक्षण स्वरोजगार के लिए बेहतर विकल्प हैं?	35 (77.78)	– (00.00)	6 (13.33)	4 (08.89)	45 (100.00)
2	क्या 'कौशल विकास मिशन' युवाओं को स्वरोजगार की उम्मीद बनकर सफलता की राह दिखा रहा है?	30 (66.67)	– (00.00)	12 (26.67)	3 (06.66)	45 (100.00)
3	क्या प्र0मं0 कौशल विकास योजनान्तर्गत शहरी/ग्रामीण परिवेश के सभी जाति, वर्गों लिंग तथा आय वर्गों के युवाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण के समान अवसर सुलभ हो रहे हैं?	37 (82.22)	– (00.00)	8 (17.78)	– (00.00)	45 (100.00)
4	क्या प्र0मं0 कौशल विकास योजनान्तर्गत कौशल प्रशिक्षित युवाओं की सोच; स्वरोजगारों की स्थापनाओं की ओर प्रेरित, उमेषित तथा अभिमुखीकृत हैं?	32 (71.11)	5 (11.11)	– (00.00)	8 (17.78)	45 (100.00)
5	क्या प्र0मं0 कौशल विकास योजनान्तर्गत रूचि के कौशल	30	7	5	3	45

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

	प्रशिक्षणों से युवाओं का हुनर निखरता रहा है?	(66.67)	(15.56)	(11.11)	(06.66)	(100.00)
6	क्या प्र0मं0 कौशल विकास योजनान्तर्गत कौशल प्रशिक्षित युवा वर्ग, अब सामान्य नौकरी की अपेक्षा; स्वरोजगार सृजित करने में सफल हो रहे हैं?	31 (68.89)	10 (22.22)	4 (08.89)	– (00.00)	45 (100.00)

(नोट : कोष्ठकों के अन्तर्गत प्रदर्शित आँकड़े पतिशतता दर्शाते हैं)

प्रस्तुत तालिका नं0 (4) के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण के प्रकाश में निदर्शितों के अभिमतों की प्रतिशतताएं चूँकि सभी 65% से अधिक हैं [दृष्टब्य : स्तम्भ ''हाँ''] जो यह स्पष्ट करतो हैं कि सभी शोध/कुँजी प्रश्नों से बहुलाँश निदर्शित 'सहमत' हैं। अतः प्रस्तावित सभी शोध–प्राक्कल्पनाएं सार्थक तथा सत्य सिद्ध हैं। अन्त में शोधार्थी द्वारा अध्ययनार्थ चयनित सभी 45 निदर्शितों से व्यक्तिगत साक्षात्कारों के समय पूछा गया कि ''प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आपका दृष्टिकोण (?)''–इस प्रसंग में प्राप्त प्रत्युत्तरों पर निम्न तालिका नं0 (5) संक्षिप्त प्रकाश डालती है:

तालिका नं0 (5) : प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना–क्रियान्वयन के प्रति निदर्शितों के दृष्टिकोण''–'थर्सटन' मनोवृत्ति मापक द्वारा मूल्याँकन

क्र0	'PMKVY' के प्रति निदर्शितों के दृष्टिकाण	आवृत्तियाँ	प्रतिशत
1	पक्ष में	36	80.00
2	उदासीन	6	13.33
3	विपक्ष में	3	06.67
समस्त		45	100.00

प्रस्तुत तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण के प्रकाश में स्पष्ट है कि अध्ययन किए गए कुल 45 निदर्शितों में से 36(80%) निदर्शितों ने 'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना' के क्रियान्वित रहने के 'पक्ष में' अपने दृष्टिकोण दर्शाए हैं, जबकि मात्र 3(6.67%) निदर्शितों ने इसके 'विपक्ष में' तथा 6(13. 33%) निदर्शितों ने 'उदासीन' दृष्टिकोण प्रकट किए हैं। **प्राप्त आनुभविक तथ्यों के प्रकाश में निष्कर्ष है कि ''प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना का क्रियान्वयन सतत होते रहना चाहिए[4]; क्योंकि : (1) यह सभी जाति वर्गों के युवक– युवतियों के भविष्य से जुड़ी हितकारी योजना है, (2) यह योजना स्व–रोजगारों का एक बेहतर विकल्प है, (3) अपनी रूचि के निःशुल्क**

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

कौशल प्रशिक्षण दिए जाने के कारण युवा वग को सोच स्वरोजगारों की स्थापनाओं की ओर प्रेरित, उम्मेषित तथा अभिमुखीकृत हुए हैं, एवं (4) अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि 'युवा वर्ग' अब सामान्य नौकरी करने की अपेक्षा 'स्व–रोजगार सृजन' की ओर उन्मुख है।[5]

सन्दर्भ सूची (References) :

हुसैन रूद्दत ; अब नौकरी नहीं, काम ढूँढ़ना होगा; 'हस्तक्षेप डैस्क', जे0एन0यू0 दिल्ली, 30 सितम्बर 2000, पृष्ठ–6

''सरकारी दुनियाँ'', उत्तर प्रदेश शासन (लखनऊ), परिपत्र ; 16 जुलाई, 2015

अर्चना दत्ता ; प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, गवर्नमेण्ट ऑफ इण्डिया, दिल्ली, 30 सितम्बर 2016

*निवेदिता ; आज के भारत के लिए प्रेरणा ; ''प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना'' **'योजना'** योजना विभाग, भारत सरकार, 25 अक्टूबर 2017*

अहलूवालिया राकेश ; ग्रामीण भारत में बदलाव, 'हिन्दुस्तान' हिन्दी समाचार–पत्र, गाजियाबाद संस्करण, 11 अगस्त 2018

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies